भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1027

सोमवार, 2 दिसंबर, 2024/11 अग्रहायण, 1946 (शक)

केएलईएमएस रिपोर्ट

1027. श्रीमती प्रतिमा मण्डल:

क्या **श्रम और रोजगार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत पूंजी, श्रम, ऊर्जा, सामग्री और सेवाएं (केएलईएमएस) रिपोर्ट के इस दावे के 2020-21 और 2022-23 के बीच, विशेषकर कोविड-19 महामारी के दौरान 8 करोड़ रोजगार की वृद्धि हुई, पीछे की कार्यप्रणाली और तर्क क्या है जबकि आईएलओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत सहित पूर्वी और दक्षिण पूर्वी एशिया में इस दौरान रोजगार में गतिरोध रहा था; और

(ख) क्या केएलईएमएस रिपोर्ट और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, जो उक्त अवधि के दौरान रोजगार में केवल 3 करोड़ की वृद्धि दर्शाता है, के बीच बड़ी विसंगति है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ख)**:** आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं जिसे वर्ष 2017-18 से सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण की अवधि प्रति वर्ष जुलाई से जून तक होती है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए रोजगार को दर्शाने वाले अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 2020-21 में 52.6% से बढ़कर 2022-23 में 56% हो गया है।

रोजगार में सकारात्मक प्रवृत्ति आरबीआई द्वारा जारी केएलईएमएस "पूंजी, श्रम, ऊर्जा, सामग्री और सेवा" डेटाबेस में भी देखी जाती है, जो पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था को शामिल करते हुए 27 उद्योगों का समावेश करती है और अखिल भारतीय स्तर पर रोजगार अनुमान प्रदान करती है। इस डेटाबेस के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देश में रोजगार 2020-21 में 56.56 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 59.67 करोड़ हो गया। केएलईएमएस डेटाबेस के पीछे विस्तृत पद्धित केएलईएमएस डेटाबेस के पीछे की विस्तृत कार्यप्रणाली देखी जा सकती है https://m.rbi.org.in/Scripts/PublicationReportDetails.aspx?UrlPage=&ID=1275. पर देखी जा सकती है?

*****